मौरयकालीन सथापतय कला

मौरयकालीन सथापतय कला

मौरयकालीन राज परसाद क े परमाण आधुनिक पटना क े कुमहार नामक सथान पर परापत हुए ह ै । यहा ँ स े बड़ी स ंखया म े ं लकडि़यो ं क े विशाल ख ंड उतखनन क े पशचात परकाश म े ं आए ।पटना स े ही बुल ंदीबाग नामक सथल स े पतथर क े सत ंभ -शीरष (Stone capital)परापत हुए ह ै ं ।म े गासथनीज क े अनुसार ततकालीन पाटलिपुतर पशचिमी दुनिया क े सबस े जयादा सु ंदर यहा ं लकड़ी एव ं पतथरो ं का परयोग भवन निरमाण क े लिए किया गया था अरथशासतर म े ं **दुरग विनयास परकरण** स े मौरयकालीन किल े ब ंदी क े बार े म े ं विश े ष जानकारी उपलबध हुई ह ै ।

मौरयकालीन अशोक सत ंभ चूना बलुआ पतथर क े बन े ह ै ं यह एकाशक (Monolithic) ह ै ।इन सत ंभो ं क े ऊपर **सि ंह गज, वृषभ** की मूरतिया ं लगाई गई थी ।विश े ष रूप स े सारनाथ एव ं सा ंची क े सत ंभ शीरष चार सि ंह वाली मूरतियो ं स े सुसजजित ह ै ।अनय परमुख सत ंभो ं म े ं **रामपुरवा (बिहार) स े परापत वृषभ सत ंभ** विश े ष महतव क े ह ै ं ।

पुरानी फोटो जो खुदाई क े समय मिली यह फोटो वरतमान समय े म े राषटरपति भवन म े सथापित की गयी ह ै

मौरय काल म े ं पहली बार पतथरो ं को काटकर **बराबर पहाड़ की गुफाए ं** यही **श ै ल गुहा रॉक कट की** बनान े की विधि भी परचलित हुई ।इसी युग की गुफाओ ं म े ं मगध क े परम ंडल की **सुदामा ऋषि की गुफा, लोमश ऋषि की गुफा ,गोपी की गुफा ,विशव झोपड़ी** ,आदि महतवपूरण ह ै ं इनम े ं सबस े अल ंकृत ह ै लोमश ऋषि की गुफा का दवार जिसक े ऊपर कासट कला का परभाव दृषटिगोचर होता ह ै ।**नागारजुनी पहाड़ी की गुफाए ं एव ं सीतामढ़ी की गुफा** भी मौरय काल क े परसतर शिलप क े परमुख उदाहरण ह ै ं इन गुफाओ ं की दीवारो ं पर एक विश े ष परकार की चमक दिखाई पड़ती ह ै जिस े साधारणतया मौरय पॉलिश कहा जाता ह ै यह चमक अशोक कालीन सत ंभो ं क े समान ह ै मौरय काल म े ं सतूपो का बड़ी स ंखया म े ं निरमाण हुआ अशोक को 84000 सतूप क े निरमाण का शर े य दिया जाता ह ै ।अशोक कालीन सतूप मिटटी क े ढ े र क े ऊपर ईटो ं क े दवारा निरमित किए गए थ े जिसक े चारो ं ओर लकड़ी की व े दिकाओ ं का परयोग किया गया था काला ंतर म े ं इनही ं सतूपो ं क े ऊपर विश े षकर **सा ंची** एव ं **भरहुत सथल** पर शासनकाल म े ं पतथरो ं का सु ंदर परयोग किया गया ह ै ।

बराबर पहाड़ की गुफाए ं